# डेनियल की बत्तख

क्लाइड बुल्ला

चित्र: जोआन





# डेनियल की बत्तख

क्लाइड बुल्ला

चित्र: जोआन



जेफ और डेनियल दोनों भाई थे.

वे टेनेसी, अमेरिका में एक पहाड़ी पर बने एक केबिन में रहते थे.

जेफ के पास एक अच्छा चाकू था.

वो उससे नक्काशी कर सकता था.

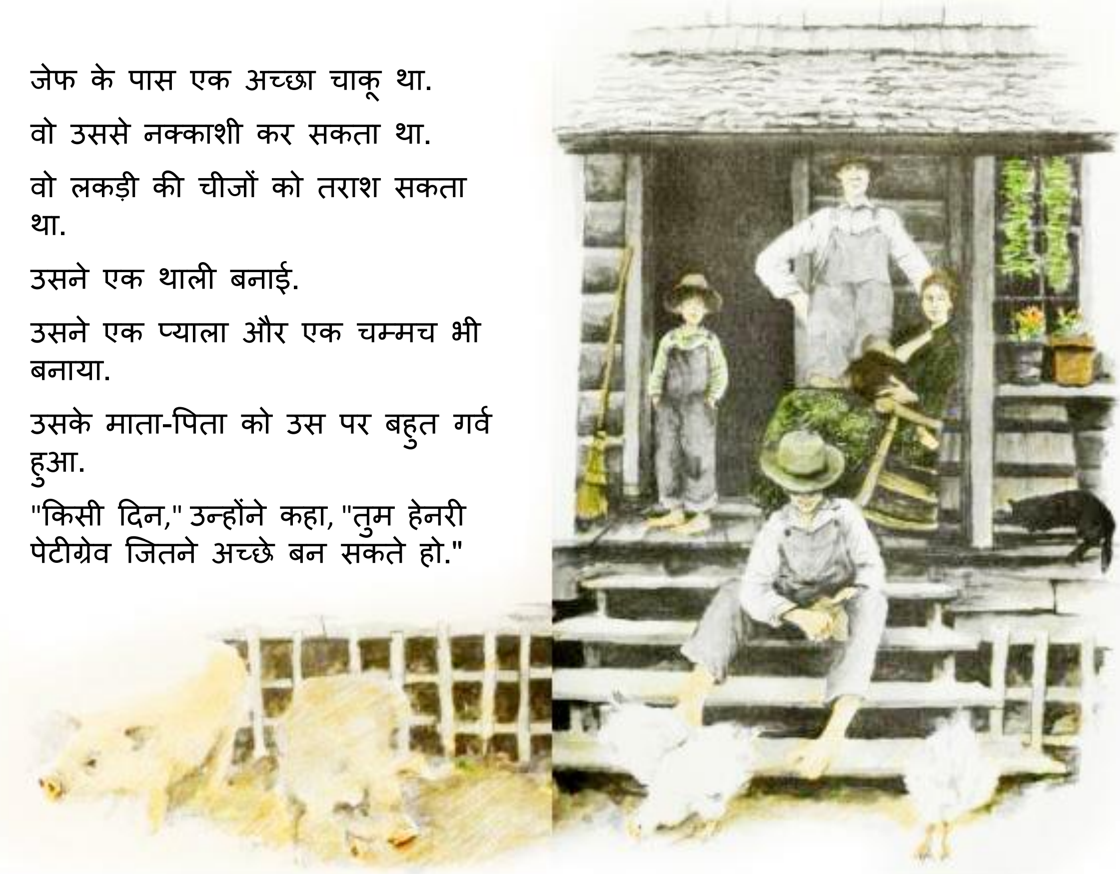
वो लकड़ी की चीजों को तराश सकता था.

उसने एक थाली बनाई.

उसने एक प्याला और एक चम्मच भी बनाया.

उसके माता-पिता को उस पर बहुत गर्व हुआ.

"किसी दिन," उन्होंने कहा, "तुम हेनरी पेटीग्रेव जितने अच्छे बन सकते हो."





हेनरी पेटीग्रेव घाटी में रहते थे.

लड़कों ने उन्हें कभी नहीं देखा था,
लेकिन उन्होंने उनका काम देखा था.

वो एक नामी-गिरामी लकड़ी पर
नक्काशी करने वाले आर्टिस्ट थे.

कुछ लोगों के अनुसार वो टेनेसी में
लकड़ी की नक्काशी करने वाले सबसे
माहिर उस्ताद थे.

हेनरी पेटीग्रेव, लकड़ी तराश कर जानवर
बनाते थे.

उनके बनाए पक्षी ऐसे लगते थे जैसे
वो उड़ रहे हों.

उनके घोड़े ऐसे लगते थे जैसे वे दौड़
रहे हों.

उनके सभी जानवर एकदम असली
लगते थे.

जेफ और उसके भाई डेनियल ने उनमें से कुछ को शहर में देखा था.

"मैं भी एक जानवर बनाना चाहता हूँ," जेफ ने कहा.

"मैं हेनरी पेटीग्रेव की तरह एक हिरण या बत्तख या भालू बनाना चाहता हूं. लेकिन जानवरों को तराशना काफी मुश्किल होता है."

"मैं भी एक जानवर बनाना चाहता हूँ," डेनियल ने कहा.

"तुम्हारी उम्र अभी इतनी बारीक नक्काशी करने की नहीं है," जेफ ने कहा.

"नहीं, मैं कर सकता हूँ," डेनियल ने कहा. "अगर मेरे पास एक अच्छा चाकू और कुछ लकड़ी हो तो मैं भी जानवर तराश सकता हूँ."

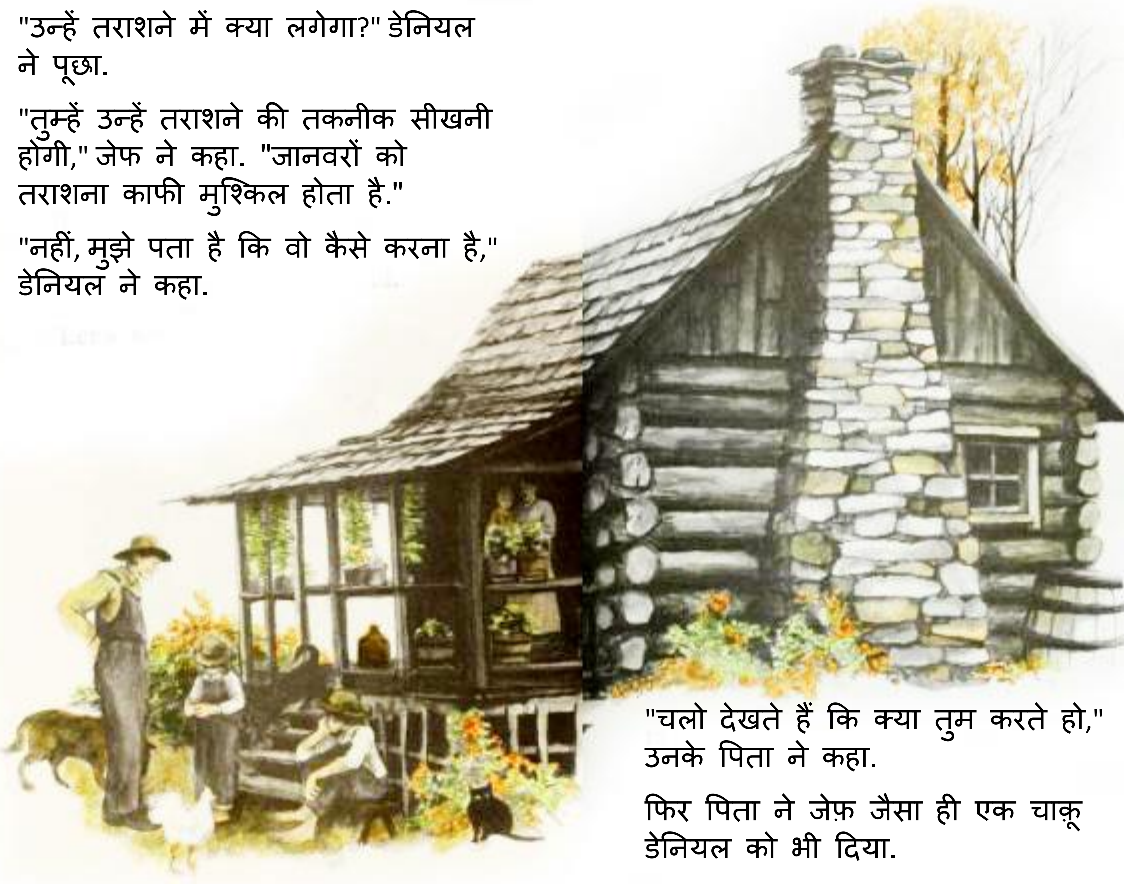
"देखो, तराशने के लिए एक अच्छे चाकू और कुछ लकड़ी से अधिक लगता है," जेफ ने कहा.



"उन्हें तराशने में क्या लगेगा?" डेनियल ने पूछा.

"तुम्हें उन्हें तराशने की तकनीक सीखनी होगी," जेफ ने कहा. "जानवरों को तराशना काफी मुश्किल होता है."

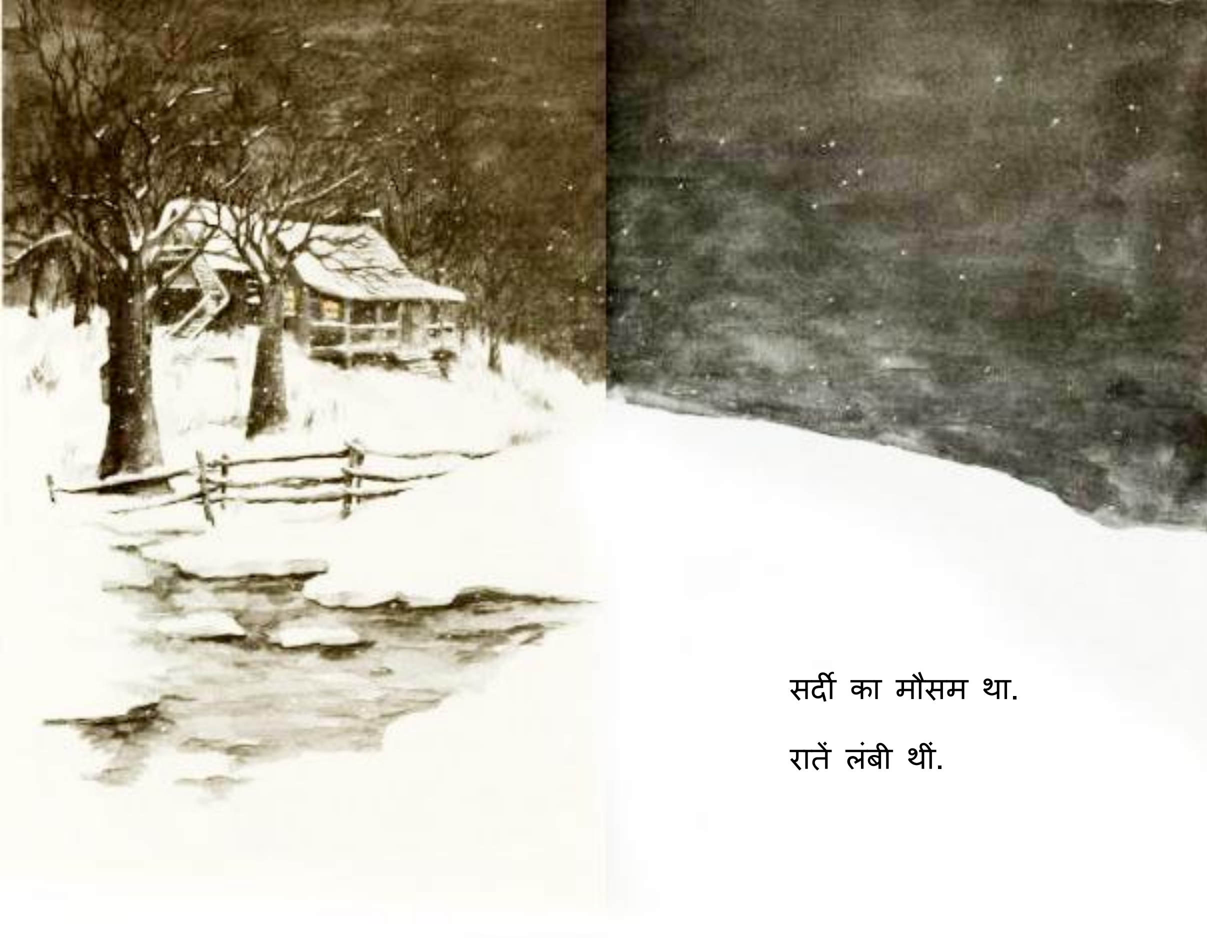
"नहीं, मुझे पता है कि वो कैसे करना है," डेनियल ने कहा.



"चलो देखते हैं कि क्या तुम करते हो," उनके पिता ने कहा.

फिर पिता ने जेफ़ जैसा ही एक चाक़ू डेनियल को भी दिया.

उन्होंने उसे एक लकड़ी का टुकड़ा भी दिया.

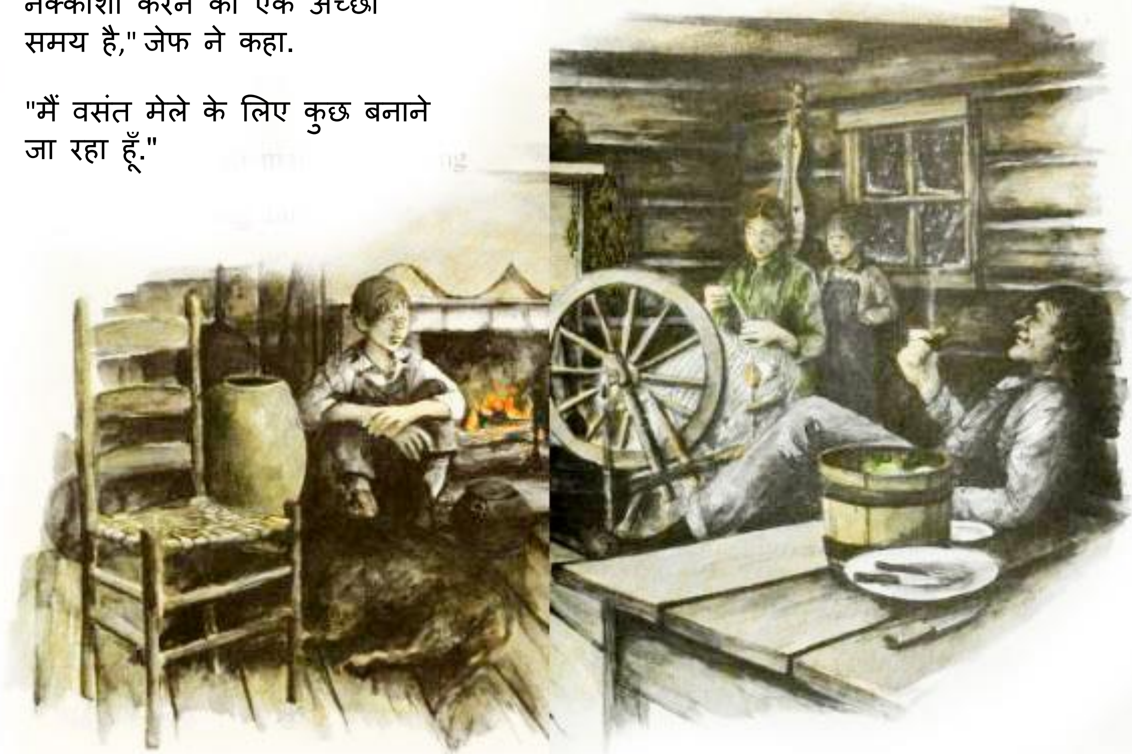


सर्दी का मौसम था.

रातें लंबी थीं.

"यह आग के पास बैठकर नक्काशी करने का एक अच्छा समय है," जेफ ने कहा.

"मैं वसंत मेले के लिए कुछ बनाने जा रहा हूँ."



हर वसंत में घाटी में मेला लगता था.

लंबी सर्दियों के बाद लोग एक-दूसरे से मिलना चाहते थे.

वो अपनी बनाई चीजों को दूसरों को दिखाने का समय था.

कभी-कभी लोग अपनी बनाई चीज़ों को बेंचते भी थे.

कभी-कभी वे दूसरों की चीज़ें खरीदते भी थे.

पिता स्थानीय इंडियंस के जूते (मोकासिन) बनाना जानते थे.



सर्दियों की रातों में पिताजी में मेले में ले जाने के लिए जूते (मोकासिन) बनाए.

माँ ने कपड़े के टुकड़े इकट्ठे किए.

उन्होंने उन्हें एक साथ सिलकर
रजाई बनाई.

"यह रजाई किसी के बिस्तर को गर्म करेगी," माँ ने कहा.

"मैं इसे मेले में ले जाऊंगी."



"मैं मेले के लिए एक बॉक्स बनाने जा रहा हूँ," जेफ ने कहा.

"मैं उसके ढक्कन पर छोटे चाँद तराशूंगा," उसने अपने भाई से कहा.

"क्या तुमने अपने लकड़ी के टुकड़े के साथ कुछ बनाया? तुम क्या बनाओगे?"

"मैं उसके बारे में सोच रहा हूँ," डेनियल ने कहा.



दिन बीतते गए.

फिर डेनियल ने नक्काशी करना शुरू कर दी.

"तुम क्या बना रहे हो?" जेफ ने पूछा.

"तुम जल्द ही देखोगे," डेनियल ने कहा.



एक रात जेफ ने डेनियल का तराशा हुआ मॉडल देखा.

उसने एक गर्दन और एक सिर देखा. उसने एक पंख भी देखा.

"मुझे लगता है," जेफ ने कहा. "कि तुम एक पक्षी तराश रहे हो."

"वो एक बत्तख है," डेनियल ने कहा.

"पर तुम उसे सही नहीं तराश रहे हो," जेफ ने कहा.

"उसका सिर पीछे की ओर है."

"मैं उसे वैसे ही चाहता हूं," डेनियल ने कहा.

"मेरी बत्तख पीछे देख रही होगी."

"तुम्हारा तरीका ठीक नहीं है," जेफ ने कहा.

पिताजी ने कहा. "डेनियल को अपने तरीके से करने दो."



वसंत आ गया.

फिर मेले का समय आया.

माँ ने अपनी रजाई पूरी की.

पिता ने तीन जोड़ी जूते (मोकासिन) बनाए.

जेफ ने एक बॉक्स बनाया था.

"इसमें काफी समय लगा," उसने कहा.

"मुझे बत्तख बनाने में भी एक लंबा समय लगा," डेनियल ने कहा.

"क्या तुम वाकई में उसे मेले में ले जाना चाहते हो?" जेफ ने पूछा.

"हाँ," डेनियल ने कहा.







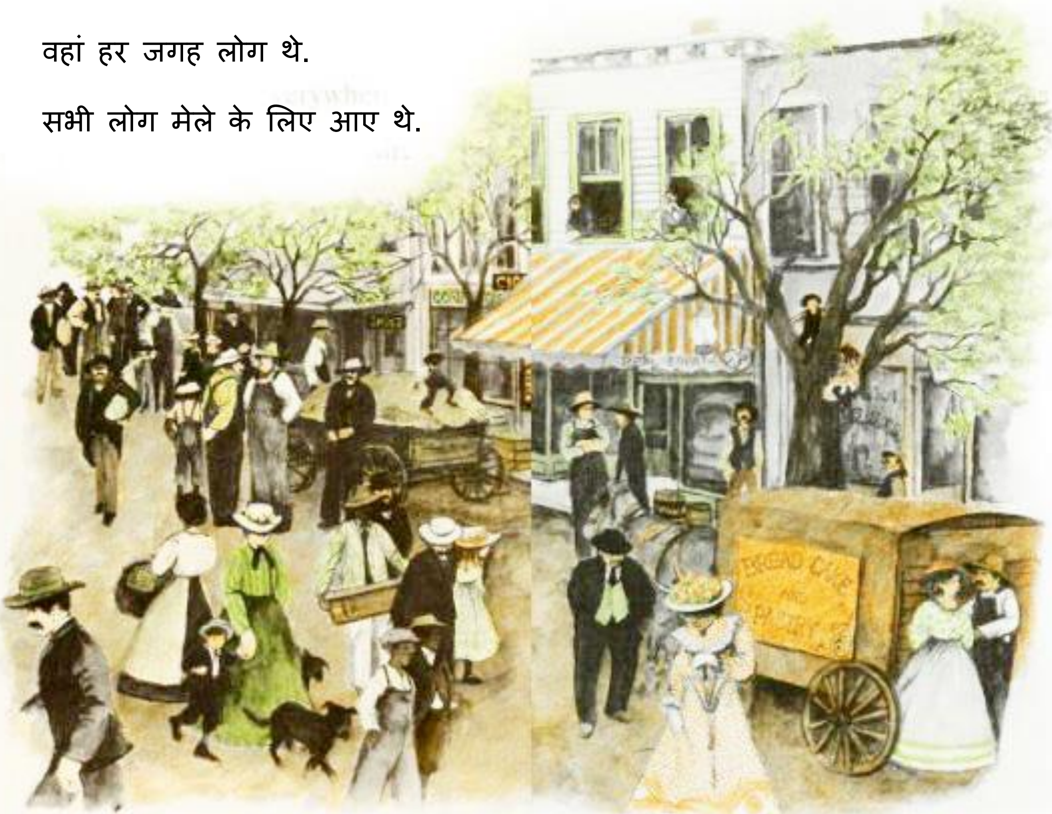
वे अपनी घोड़ा-गाड़ी में पहाड़ से नीचे उतरे.

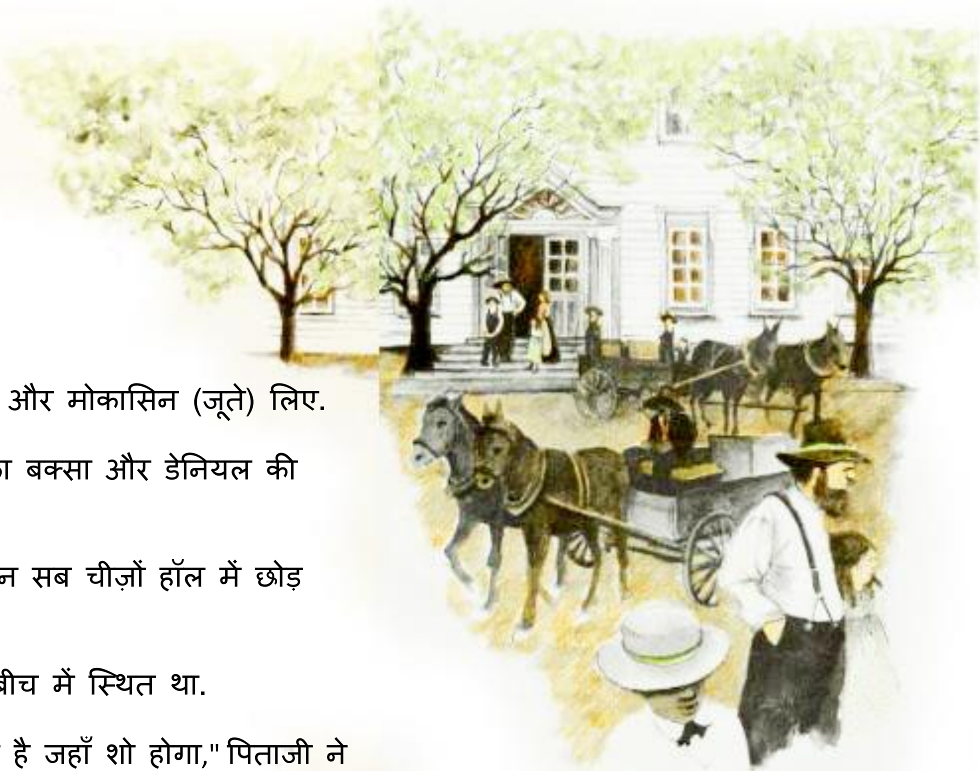
पिताजी ने घोड़ा-गाड़ी को चलाया.

वे शहर में गए.

वहां हर जगह लोग थे.

सभी लोग मेले के लिए आए थे.





पिता ने रजाई और मोकासिन (जूते) लिए.

उन्होंने जेफ का बक्सा और डेनियल की बत्तख भी ली.

फिर उन्होंने उन सब चीज़ों हॉल में छोड़ दिया.

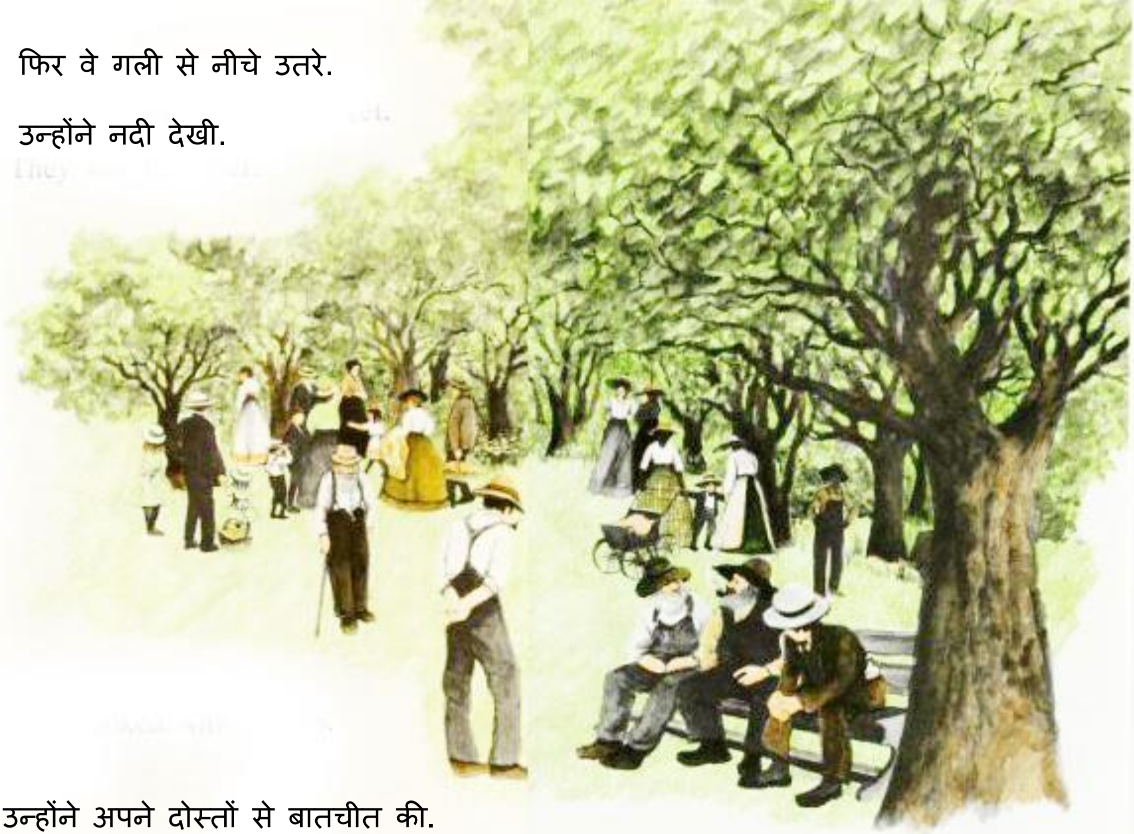
हॉल, शहर के बीच में स्थित था.

"यही वो जगह है जहाँ शो होगा," पिताजी ने कहा.

"लोग अभी उसकी तैयारी कर रहे हैं."

फिर वे गली से नीचे उतरे.

उन्होंने नदी देखी.



उन्होंने अपने दोस्तों से बातचीत की.

फिर पिताजी ने कहा. "हॉल खुल गया है."

वे शो में गए.

वहां लोगों के बनाए चित्र थे.



रजाई, गलीचे और टोकरियाँ थीं.

गुड़िए थीं.

टोपियां थीं.

"लकड़ी की नक्काशी कहाँ रखी हैं?" डेनियल ने पूछा.



"यहाँ पर," जेफ ने कहा.

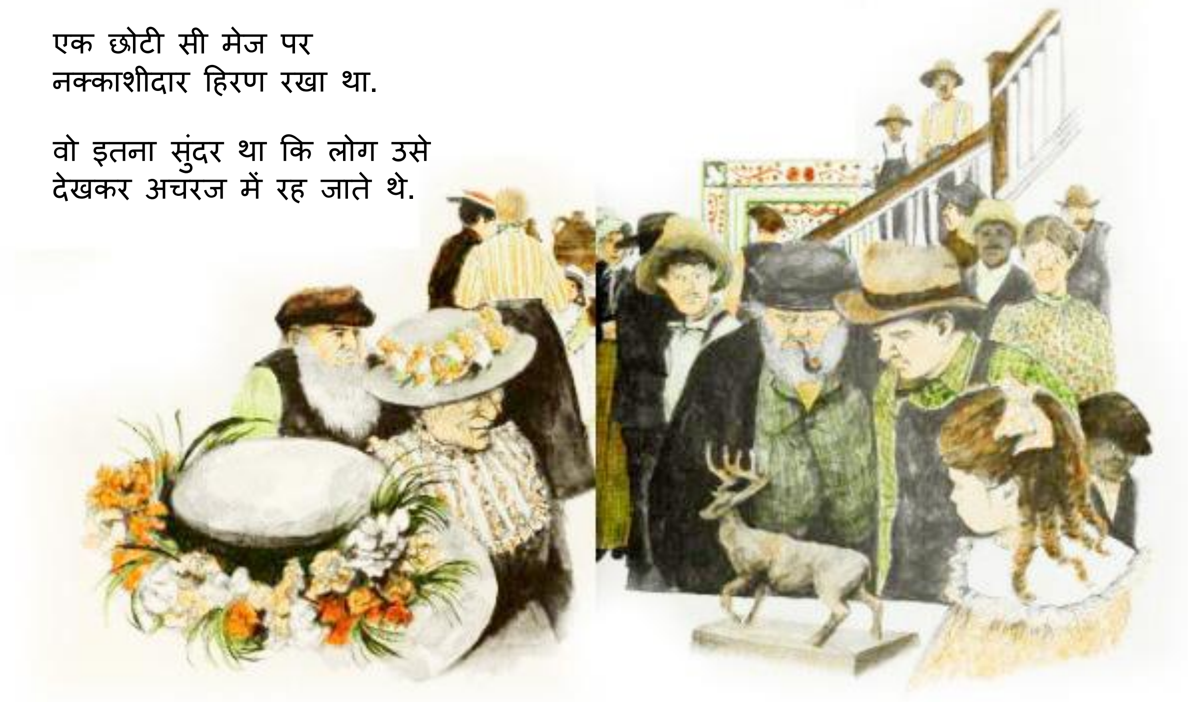
वे हॉल के अंत तक गए.

एक टेबल पर लकड़ी की नक्काशी की चीज़ें रखी थीं.

एक छोटी सी मेज पर नक्काशीदार हिरण रखा था.

वो इतना सुंदर था कि लोग उसे देखकर अचरज में रह जाते थे.

हर कोई जानता था कि उसे हेनरी पेटीग्रेव ने बनाया था.



एक बड़ी मेज पर दूसरे लोगों द्वारा बनाई लकड़ी की नक्काशी रखी थीं.

"मैं अपना बॉक्स देख सकता हूं," जेफ ने कहा.

"मैं अपनी बत्तख देख सकता हूं," डेनियल ने कहा.

कई लोग उनकी नक्काशियों को देख रहे थे.

वे हंस रहे थे.

"वे किस पर हंस रहे हैं?" डेनियल ने पूछा.

जेफ ने उसका कोई जवाब नहीं दिया.



किसी ने कहा. "ज़रा उस बत्तख को देखो!"



किसी और ने कहा,

"वो बत्तख बहुत मज़ेदार है!"

फिर और लोग उसे देखने आए.

उसके बाद अन्य लोग भी हंसने लगे.



डेनियल को लगा

कि लोग उसकी बत्तख पर हंस रहे थे.

डेनियल वहां से दूर जाना चाहता था.

वो कहीं जाकर छिपना चाहता था.



तब वो गुस्से में था.

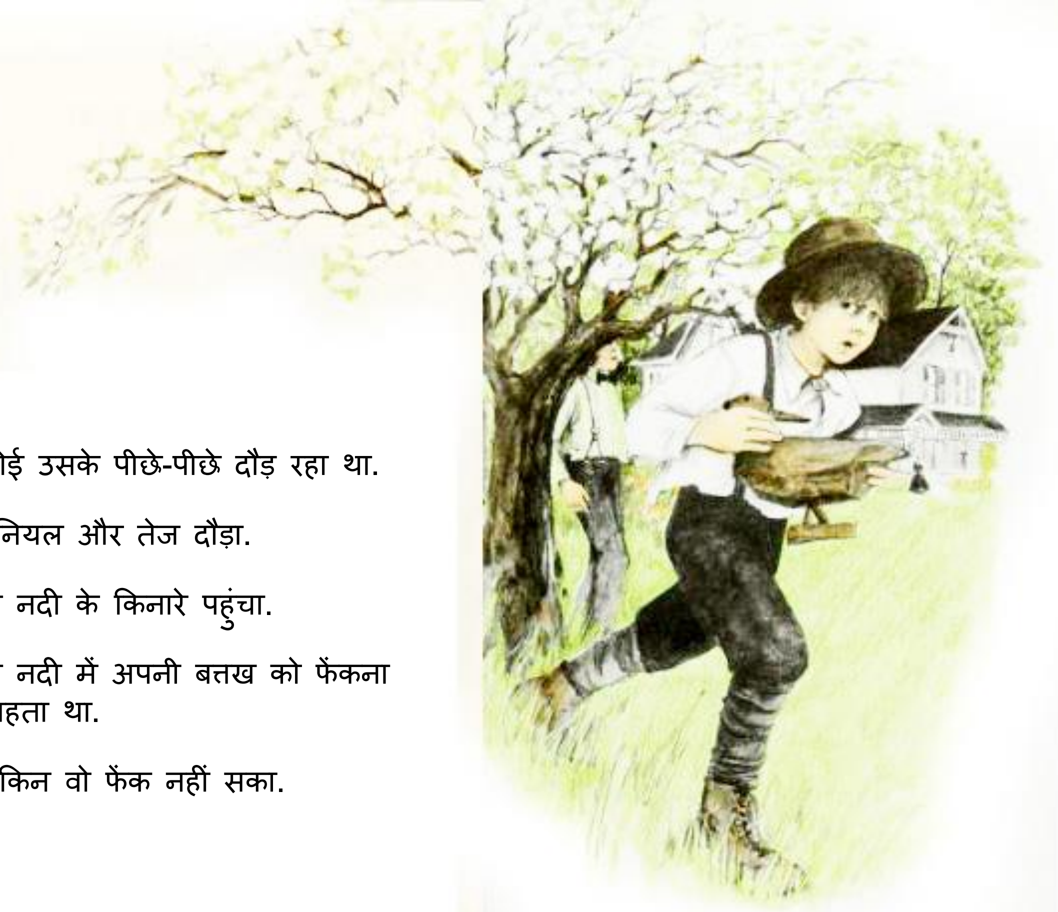
वो मेज पर गया.

उसने अपना बत्तख उठाई
और उसके साथ भागा.



डेनियल हॉल से बाहर भागा.





कोई उसके पीछे-पीछे दौड़ रहा था.

डेनियल और तेज दौड़ा.

वो नदी के किनारे पहुंचा.

वो नदी में अपनी बत्तख को फेंकना चाहता था.

लेकिन वो फेंक नहीं सका.

एक आदमी ने पीछे से उसका हाथ पकड़ लिया.

उस आदमी ने पूछा, "तुम उस बत्तख के साथ क्या कर रहे हो?"

"मैं उसे नदी में फेंकने जा रहा हूँ!" डेनियल ने कहा.

"तुम ऐसा नहीं कर सकते," आदमी ने कहा.

"अगर मैं चाहूं तो ज़रूर कर सकता हूं." डेनियल ने कहा. "वो बत्तख मेरी है."

"क्या तुमने उसे बनाया है?" आदमी ने पूछा.

"हाँ," डेनियल ने कहा.

"फिर तुम उसे क्यों फेंक रहे हो?" आदमी ने पूछा.

"क्योंकि सब लोग मेरी बत्तख पर हँस रहे थे," डेनियल ने कहा.



"मेरी बात सुनो," उस आदमी ने कहा.

"लोग अलग-अलग कारणों से हँसते हैं.
कुछ लोगों को तुम्हारी बत्तख पसंद आई.
शायद इसलिए वे हँसे."

"नहीं! मेरी बत्तख बदसूरत है," डेनियल ने कहा.

"वो बदसूरत नहीं है. वो एक सुन्दर बत्तख है.
उसे देखकर मुझे खुशी का अनुभव हुआ.
इसलिए मैं हंसा."

वो आदमी अब हँस नहीं रहा था.

"तुम दौड़ते-दौड़ते और थके गए हो,"
उस आदमी ने कहा.

"आओ, छाया में बैठकर कुछ देर आराम करो."





वे एक पेड़ के नीचे बैठ गए.

"क्या तुम अपनी बत्तख बेचोगे?" आदमी ने पूछा.

"उसे कौन खरीदेगा?" डेनियल ने पूछा.

"मैं उसे खरीदने के बारे में सोच सकता हूँ," उस आदमी ने कहा.

तभी एक लड़का और लड़की उनके पास आए.

"आप कैसे हैं मिस्टर पेटीग्रेव?" उन्होंने पूछा.

"मैं ठीक हूँ," उस आदमी ने कहा.

फिर वो लड़का-लड़की चल गए.

डेनियल ने कहा. "आप हेनरी पेटीग्रेव हैं!"

"हाँ," उस आदमी ने कहा.

"मैं भी लकड़ी की नक्काशी करता हूँ."

"मुझे पता है," डेनियल ने कहा.

वो अपनी बत्तख पकड़े हुए था.

उसने उसे नीचे से देखा.

वो बदसूरत नहीं थी.

वो एक अच्छी बत्तख थी.

हेनरी पेटीग्रेव ने ऐसा कहा है,
और हेनरी नक्काशी के बारे में जानते हैं.



"मैंने आपका हिरण देखा," डेनियल ने कहा.

"मैंने उसे पिछली सर्दियों में बनाया था," उस आदमी ने कहा.

"मैंने बहुत सी चीज़ें बनाई हैं. मेरा घर उनसे भरा हुआ है."

डेनियल ने कहा, "काश!"
पर फिर वो रुक गया.

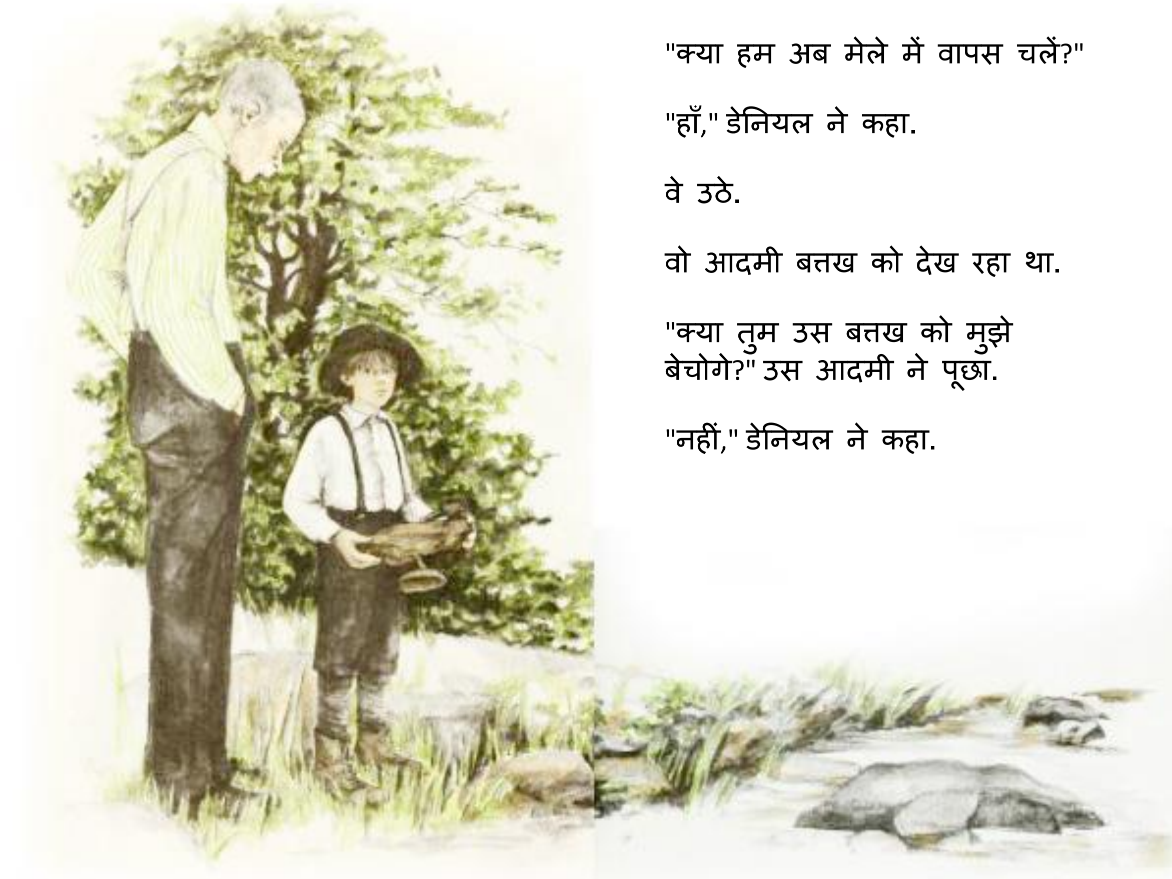
"तुम क्या चाहते हो?" उस आदमी ने पूछा.

"काश, मैं आपके द्वारा बनाई गई चीज़ों को देख पाता," डेनियल ने कहा.

"मैं उन्हें तुम्हें ज़रूर दिखाऊंगा," आदमी ने कहा.

"शायद आज, मेले के बाद."





"क्या हम अब मेले में वापस चलें?"

"हाँ," डेनियल ने कहा.

वे उठे.

वो आदमी बत्तख को देख रहा था.

"क्या तुम उस बत्तख को मुझे
बेचोगे?" उस आदमी ने पूछा.

"नहीं," डेनियल ने कहा.

डेनियल ने बत्तख को थोड़ी देर और पकड़ रखा.

फिर डेनियल ने बत्तख, हेनरी पेटीग्रेव को दे दी.



अंत